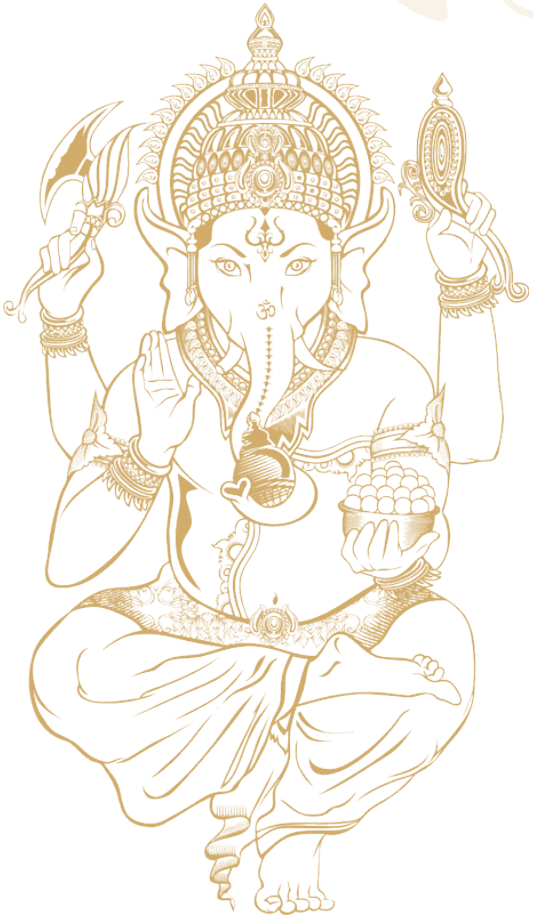

Nisha Kumari

17 Jan 1995

05:30 PM

Jaynagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121705404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/01/1995**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:30:00 घंटे**
इष्ट	27:16:19 घटी
स्थान	**Jaynagar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:36:00 उत्तर
रेखांश	86:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:44:32 घंटे
वेलान्तर	-00:09:55 घंटे
साम्पातिक काल	01:30:17 घंटे
सूर्योदय	06:35:28 घंटे
सूर्यास्त	17:15:33 घंटे
दिनमान	10:40:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:06:46 मकर
लग्न के अंश	07:03:10 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:03:10	310:11:45	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			मक	03:06:46	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	10:37:51	12:40:53	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल	व		सिंह	07:28:02	00:11:38	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			मक	21:39:42	01:11:55	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	14:05:34	00:10:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	16:18:00	01:02:32	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	15:43:28	00:06:03	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	17:49:08	00:13:27	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		मेष	17:49:08	00:13:27	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			मक	02:38:52	00:03:33	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:23:59	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:12:42	00:01:32	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मेष	00:35:08	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:29

लग्न-चलित

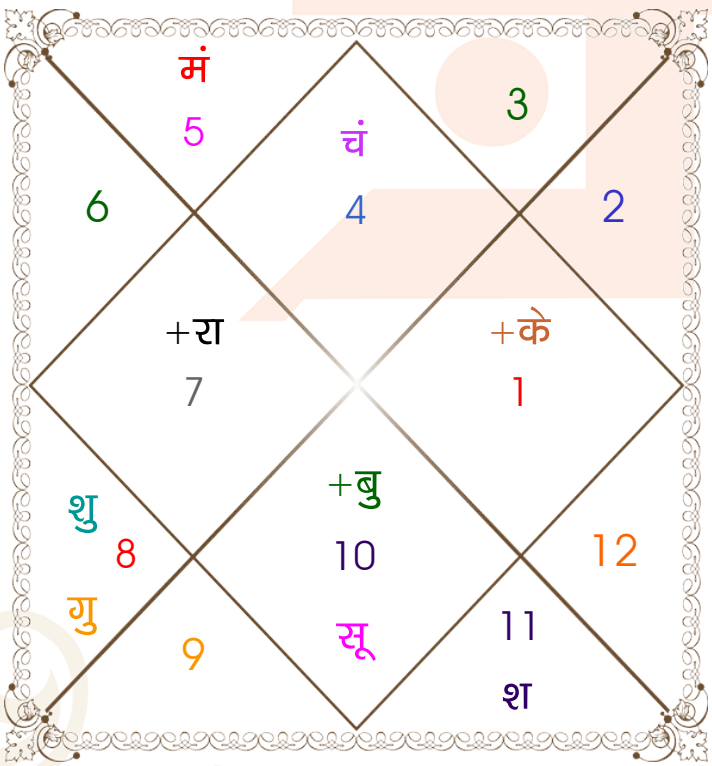

चन्द्र कुंडली

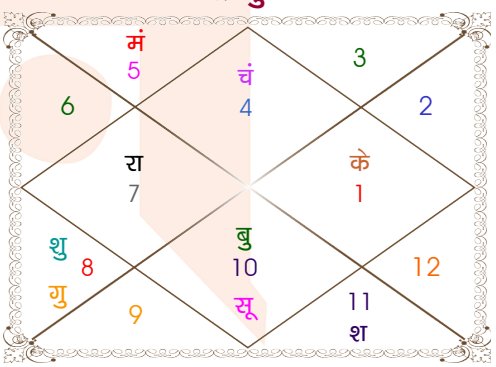

नवमांश कुंडली

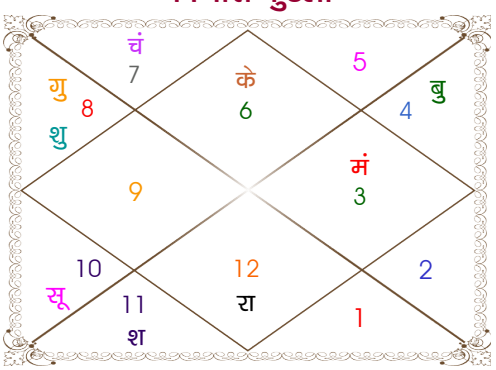

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 7 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/01/1995		25/08/2003		24/08/2020		25/08/2027		25/08/2047	
25/08/2003		24/08/2020		25/08/2027		25/08/2047		24/08/2053	
	00/00/0000	बुध	20/01/2006	केतु	20/01/2021	शुक्र	24/12/2030	सूर्य	12/12/2047
	00/00/0000	केतु	18/01/2007	शुक्र	22/03/2022	सूर्य	25/12/2031	चंद्र	12/06/2048
	00/00/0000	शुक्र	18/11/2009	सूर्य	28/07/2022	चंद्र	24/08/2033	मंगल	18/10/2048
	17/01/1995	सूर्य	24/09/2010	चंद्र	26/02/2023	मंगल	24/10/2034	राहु	12/09/2049
सूर्य	28/07/1995	चंद्र	23/02/2012	मंगल	25/07/2023	राहु	24/10/2037	गुरु	01/07/2050
चंद्र	26/02/1997	मंगल	20/02/2013	राहु	12/08/2024	गुरु	24/06/2040	शनि	13/06/2051
मंगल	07/04/1998	राहु	09/09/2015	गुरु	19/07/2025	शनि	25/08/2043	बुध	18/04/2052
राहु	10/02/2001	गुरु	15/12/2017	शनि	28/08/2026	बुध	25/06/2046	केतु	24/08/2052
गुरु	25/08/2003	शनि	24/08/2020	बुध	25/08/2027	केतु	25/08/2047	शुक्र	24/08/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/08/2053		25/08/2063		25/08/2070		24/08/2088		25/08/2104	
25/08/2063		25/08/2070		24/08/2088		25/08/2104		00/00/0000	
चंद्र	25/06/2054	मंगल	21/01/2064	राहु	07/05/2073	गुरु	12/10/2090	शनि	29/08/2107
मंगल	24/01/2055	राहु	07/02/2065	गुरु	30/09/2075	शनि	25/04/2093	बुध	08/05/2110
राहु	25/07/2056	गुरु	14/01/2066	शनि	06/08/2078	बुध	31/07/2095	केतु	17/06/2111
गुरु	24/11/2057	शनि	23/02/2067	बुध	23/02/2081	केतु	06/07/2096	शुक्र	16/08/2114
शनि	25/06/2059	बुध	20/02/2068	केतु	13/03/2082	शुक्र	07/03/2099	सूर्य	18/01/2115
बुध	23/11/2060	केतु	19/07/2068	शुक्र	13/03/2085	सूर्य	25/12/2099		00/00/0000
केतु	24/06/2061	शुक्र	18/09/2069	सूर्य	05/02/2086	चंद्र	26/04/2101		00/00/0000
शुक्र	23/02/2063	सूर्य	23/01/2070	चंद्र	07/08/2087	मंगल	01/04/2102		00/00/0000
सूर्य	25/08/2063	चंद्र	25/08/2070	मंगल	24/08/2088	राहु	25/08/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 6 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।